

अध्याय - 3 | निजी, सार्वजनिक एवं भूमंडलीय उपक्रम

QUIZ PART-04

- स्वतंत्रता के बाद सार्वजनिक क्षेत्र की स्थापना का प्रमुख उद्देश्य क्या था?
 - निजी उद्योगों को बढ़ावा देना
 - आय-सम्पत्ति का समान वितरण
 - विदेशी व्यापार बढ़ाना
 - कृषि उत्पादन बढ़ाना(B)

व्याख्या: सार्वजनिक क्षेत्र का लक्ष्य समाज के विभिन्न वर्गों में आय और संपत्ति का समान वितरण सुनिश्चित करना था।

- आधारभूत ढाँचे के विकास की आवश्यकता क्यों पड़ी?
 - निजी क्षेत्र अत्यधिक सक्षम था
 - स्वतंत्रता से पहले ढाँचा पर्याप्त विकसित था
 - औद्योगिकीकरण के लिए आधारभूत सुविधाएँ आवश्यक थीं
 - विदेशों में निवेश करना था(C)

व्याख्या: परिवहन, संचार, बिजली, ईंधन और बड़े उद्योगों के लिए आधारभूत सुविधाएँ आवश्यक थीं, जिन्हें सरकार ही विकसित कर सकती थी।

- निम्न में से किस क्षेत्र में निजी क्षेत्र निवेश करने से ज़िङ्गकता था?
 - वस्त्र उद्योग
 - भारी उद्योग
 - खाद्य सामग्री
 - उपभोक्ता वस्तुएँ(B)

व्याख्या: भारी पूँजी और जटिल तकनीक की आवश्यकता होने से निजी क्षेत्र भारी उद्योगों में निवेश से बचता था।

- क्षेत्रीय संतुलन का उद्देश्य क्या था?
 - केवल शहरों का विकास
 - आर्थिक शक्तियों का केंद्रीकरण
 - पिछड़े क्षेत्रों का विकास
 - उद्योगों का निजीकरण(C)

व्याख्या: देश में क्षेत्रीय असमानताओं को कम करने और पिछड़े क्षेत्रों को विकसित करने हेतु सार्वजनिक क्षेत्र का उपयोग किया गया।

- बड़े पैमाने की बचत किसके माध्यम से संभव हुई?
 - छोटे उद्योगों के विस्तार से
 - ग्रामीण रोजगार से
 - बड़े पैमाने के सार्वजनिक उपक्रमों से
 - निजी कंपनियों के सहयोग से(C)

व्याख्या: बिजली संयंत्र, गैस, पेट्रोलियम आदि जैसे बड़े उपक्रमों के कारण बड़े पैमाने की बचत संभव हुई।

- आर्थिक शक्ति के केंद्रीकरण को रोकने के लिए कौन-सा उपाय अपनाया गया?
 - निजी उद्योगों में प्रतिस्पर्धा बढ़ाना
 - सार्वजनिक क्षेत्र को मजबूत बनाना
 - विदेशी निवेश बढ़ाना
 - करों में वृद्धि(B)

व्याख्या: कुछ उद्योगों में निजी एकाधिकार बढ़ाने से रोकने के लिए सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र का विस्तार किया।

- आयात प्रतिस्थापन का उद्देश्य क्या था?
 - आयात बढ़ाना
 - विदेशी मुद्रा भंडार कम करना
 - देश को आत्मनिर्भर बनाना
 - निर्यात प्रतिबंधित करना(C)

व्याख्या: कई क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनने और विदेशी आयात पर निर्भरता घटाने हेतु आयात प्रतिस्थापन नीति अपनाई गई।

- दूसरी व तीसरी पंचवर्षीय योजना का एक प्रमुख लक्ष्य क्या था?
 - बेरोजगारी बढ़ाना
 - कृषि पर निर्भरता कम करना
 - आयात के विकल्प देश में तैयार करना
 - निजीकरण को बढ़ावा देना(C)

व्याख्या: इन योजनाओं में भारत को कई क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनाना और आयात पर निर्भरता घटाना प्रमुख उद्देश्य था।

- भारी निवेश को दिशा देने का कार्य किसके द्वारा किया गया?
 - निजी क्षेत्र
 - अंतरराष्ट्रीय संस्थान
 - सार्वजनिक क्षेत्र
 - सहकारी समिति(C)

व्याख्या: होटल, परियोजना प्रबंधन, परामर्श, इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में भारी निवेश को दिशा सार्वजनिक क्षेत्र ने दी।

- सार्वजनिक क्षेत्र के विस्तार का औद्योगिकीकरण पर क्या प्रभाव पड़ा?
 - औद्योगिकीकरण की गति धीमी हुई
 - औद्योगिकीकरण में बड़े पैमाने पर योगदान मिला
 - निजी उद्योग बंद हो गए
 - विदेशी निवेश रुक गया(B)

व्याख्या: सार्वजनिक क्षेत्र द्वारा भारी उद्योगों, आधारभूत ढाँचे और ऊर्जा क्षेत्र के विकास से औद्योगिकीकरण की गति तेज हुई।